+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(08 September 2023)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- 'GDP-केंद्रित दृष्टिकोण मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में बदल रहा है': प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी
- भारत की G20 की अध्यक्षता सदस्य देशों के साथ घनिष्ठ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने वाली रही है
- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI)

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

‘GDP-केंद्रित दृष्टिकोण मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में बदल रहा है': प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

समाचार सार:

- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हाल ही में पीटीआई को दिए अपने इंटरव्यू में G20 के संदर्भ में भारत की भूमिका एवं समस्त विश्व को भारत क्या दे सकता है या दे रहा है? इस तरह के विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी गई।
- भारत द्वारा जिस मॉडल का रास्ता दिखाया गया है, वह विश्व कल्याण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत भी हो सकता है।
- यह ठीक उसी तरह है जिस तरह दूसरे विश्व युद्ध के बाद एक नई व्यवस्था उभरी, उसी तरह कोविड के बाद भी एक नई व्यवस्था आकार ले रही है।

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

G-20 के समक्ष विभिन्न मुद्दों एवं चुनौतियों पर प्रधानमंत्री के विचार:

- **भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी का विश्व के लिए महत्व:**

➢ जी-20 प्रेसीडेंसी ने भारत को एक टिकाऊ, समावेशी और न्यायसंगत दुनिया के लिए अपने दृष्टिकोण को बढ़ावा देने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में एक नेता के रूप में अपनी प्रोफ़ाइल बढ़ाने का अवसर दिया है।

➢ G-20 की उत्पत्ति पिछली शताब्दी के अंत में **आर्थिक संकटों के प्रति विश्व की एक सामूहिक और समन्वित प्रतिक्रिया** के रूप में हुई थी।

➢ लेकिन **जब महामारी आई, तो दुनिया को समझ आया कि आर्थिक चुनौतियों के अलावा, मानवता को प्रभावित करने वाली अन्य महत्वपूर्ण और तात्कालिक चुनौतियां** भी थीं।

➢ इस समय तक, दुनिया पहले से ही भारत के मानव-केंद्रित विकास मॉडल पर ध्यान देने लगी थी। महामारी के प्रति एक स्पष्ट और समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से भारत की प्रतिक्रिया, प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सबसे कमजोर लोगों को सीधी सहायता, टीके के साथ आना और दुनिया का सबसे बड़ा टीका अभियान चलाना, और लगभग 150 देशों के साथ दवाओं और टीकों को साझा करना - इन पर ध्यान दिया गया और इसकी सराहना की गई।

- ➢ भारत की जी-20 की अध्यक्षता से कई सकारात्मक प्रभाव सामने आ रहे हैं। वैश्विक मामलों में वैश्विक दक्षिण, विशेष रूप से अफ्रीका के लिए अधिक समावेशन की दिशा में प्रयास में तेजी आई है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता ने तथाकथित 'तीसरी दुनिया' के देशों में भी विश्वास के बीज बोए हैं।
- ➢ G-20 दुनिया में सबसे प्रभावशाली ब्लॉक के रूप में उभरा है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85% हिस्सा बनाता है।

- **G20 का भविष्य:**

- ➢ दुनिया का **GDP-केंद्रित दृष्टिकोण अब मानव-केंद्रित दृष्टिकोण में बदल रहा** है। **जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक नई विश्व व्यवस्था देखने को मिली थी, वैसे ही कोविड के बाद एक नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही** है। देशों को प्रभावित करने और उस प्रभाव के मानदंड बदल रहे हैं और इसे पहचानने की जरूरत है।
- ➢ **'सबका साथ सबका विकास मॉडल' के द्वारा भारत ने जो रास्ता दिखाया है**, वह विश्व कल्याण के लिए भी मार्गदर्शक सिद्धांत हो सकता है।
- ➢ अब विश्व व्यवस्था में, GDP के आकार के बावजूद, हर आवाज़ मायने रखती है। इसी विचार के अनुसार भारत ने अफ्रीका संघ को G-20 का स्थायी सदस्य बनाने का प्रस्ताव दिया है।

- **वैश्विक जलवायु परिवर्तन का मुद्दा:**
  - G-20 देशों में हम संभवत: पहले देश है, जिसने निर्धारित समय से नौ साल पहले ही अपने जलवायु लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। हम वैश्विक प्रयासों का सदस्य बनने से लेकर कई पहलों में अग्रणी भूमिका निभाने की ओर बढ़ गए हैं।
  - उदाहरणस्वरूप 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' और 'आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन' जैसी पहल देशों को पृथ्वी के लिए एक साथ ला रही हैं। अब, जैव ईंधन गठबंधन इस दिशा में एक और कदम है। ऐसे गठबंधनों का उद्देश्य विकासशील देशों के लिए विकल्प तैयार करना है।
  - जैव ईंधन चक्रीय अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।
- **G20 के समक्ष ऋण पुनर्गठन की चुनौती:**
  - ऋण संकट वास्तव में दुनिया, विशेषकर विकासशील देशों के लिए बहुत बड़ी चिंता का विषय है। सबसे पहले, जो देश कर्ज़ संकट से गुज़र रहे हैं या इससे गुज़र चुके हैं, उन्होंने वित्तीय अनुशासन को अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है।

- केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों से भी वित्तीय अनुशासन के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया है। आर्थिक रूप से गैर-जिम्मेदाराना नीतियां और लोकलुभावनवाद अल्पावधि में राजनीतिक परिणाम दे सकते हैं, लेकिन लंबी अवधि में इसकी बड़ी सामाजिक और आर्थिक कीमत चुकानी पड़ेगी। **जो लोग सबसे अधिक परिणाम भुगतते हैं वे अक्सर सबसे गरीब और सबसे कमजोर होते हैं।**
- हमारे जी-20 प्रेसीडेंसी ने ऋण कमजोरियों से उत्पन्न वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने पर महत्वपूर्ण जोर दिया है, खासकर वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए।

- **G-7 और चीन-रूस गठबंधन के बीच मतभेद:**
  - दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में कई अलग-अलग संघर्ष दिखाई दे रहें हैं। इन सभी को बातचीत और कूटनीति से हल करने की जरूरत है।
  - कहीं भी किसी भी संघर्ष पर हमारा यही रुख है।
  - चाहे G-20 अध्यक्ष हों या न हों, हम दुनिया भर में शांति सुनिश्चित करने के हर प्रयास का समर्थन करेंगे।

भारत की G20 की अध्यक्षता सदस्य देशों के साथ घनिष्ठ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने वाली रही है:

समाचार सार:

- G20 में **भारत की अध्यक्षता को देश के लिए व्यापार संबंधों को मजबूत करने और सदस्य देशों से निवेश आकर्षित** करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है, खासकर बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में।
- विशेषज्ञों का मानना है कि **G20 वैश्विक आर्थिक विकास और समृद्धि में एक रणनीतिक भूमिका निभाता है**, क्योंकि इसके सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद, व्यापार और जनसंख्या के एक महत्वपूर्ण हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

G20 की अध्यक्षता भारत के वैश्विक व्यापार के लिए किस प्रकार का अवसर लेकर आया है?

- **G20 की रणनीतिक भूमिका:** वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 85%, वैश्विक व्यापार का 75% और दुनिया की दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, जो इसे वैश्विक आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।
- **भारत के लिए अवसर:** भारत की G20 अध्यक्षता, सामर्थ्य दिखाने, निवेश आकर्षित करने और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ व्यापार संबंधों को गहरा करने का एक मौका है।
- **भारत के लिए सकारात्मक कारक:** मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत, व्यापार करने में आसानी, आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास, कुशल कार्यबल और बढ़ती आय वाली आबादी सदस्य देशों के साथ बढ़े हुए व्यापार का समर्थन करती है।
- **G20 की सदस्य संख्या:** इसमें कुल 20 नहीं, बल्कि 43 सदस्य हैं। जिसमें इनमें 19 देश एवं यूरोपीय संघ (27 सदस्यीय समूह) शामिल हैं। तीन यूरोपीय संघ के देश - फ्रांस, जर्मनी, इटली - को 19 देशों में गिना जाता है।

- **मुक्त व्यापार समझौता (FTA) का मुद्दा:** बाजार पहुंच में सुधार और निवेश आकर्षित करने के लिए विशेषज्ञ लोग UK और EU के साथ FTA के लिए बातचीत में तेजी लाने की सलाह देते हैं।
- **ग्लोबल नॉर्म सेटर:** भारत को डिजिटल अर्थव्यवस्था में वैश्विक नेता बनने के लिए G20 देशों के साथ साझा आधार तलाशना चाहिए, जिससे IT और IT-सक्षम सेवाओं के निर्यात को लाभ होगा।
- **बहुत बड़ी मध्यम-आय वाली आबादी:** भारत की बढ़ती मध्यम-आय वाली आबादी एक विशाल उपभोक्ता आधार प्रदान करती है, जो इसे निवेश करने वाली और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने वाली वैश्विक कंपनियों के लिए आकर्षक बनाती है।
- **प्रमुख निवेश कारक:** मजबूत बुनियादी ढांचा, व्यापार करने में आसानी, कुशल श्रम शक्ति और बढ़ता मध्यमवर्गीय उपभोक्ता आधार भारत को निवेश और गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं के आयात के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाता है।

G20 के देशों के साथ भारत का व्यापार का आंकड़ा:

- **G20 में भारत की व्यापार रैंकिंग:** 2022 में **भारत, G20 सदस्यों के बीच, वस्तुओं और सेवाओं के कुल व्यापार में नौवें स्थान** (1,662 बिलियन अमेरिकी डॉलर) पर है।

- **शीर्ष तीन व्यापार वाले देश:** **G20 व्यापार में EU, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका** शीर्ष तीन हैं।
- **भारत के व्यापार में G20 देशों की हिस्सेदारी:** 2022 में G20 देशों का **भारत के व्यापारिक निर्यात में 64% और आयात में 52.4% योगदान** है।
- **G20 के भीतर भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्य हैं:**
  1. USA (91 अरब डॉलर),
  2. यूरोपीय संघ (87 अरब डॉलर),
  3. चीन (17.5 अरब डॉलर),
  4. UK (14.4 अरब डॉलर),
  5. तुर्की (10.7 अरब डॉलर), और
  6. सऊदी अरब (10 अरब डॉलर)।
- **भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता:** भारत के शीर्ष आपूर्तिकर्ताओं में **चीन (118.5 अरब डॉलर), यूरोपीय संघ (59.1 अरब डॉलर), सऊदी अरब, अमेरिका, रूस**, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और जापान शामिल हैं।
- **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI):** **अमेरिका भारत में सबसे बड़ा निवेशक है**, जिसने अप्रैल 2000 से जून 2023 तक भारत के FDI, कुल 645.4 अरब डॉलर, में 61.3 अरब डॉलर (9% हिस्सा) का योगदान दिया। **जापान 40 अरब डॉलर (6%) के साथ दूसरे स्थान पर है, उसके बाद यूके, जर्मनी और फ्रांस** हैं।

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI):

चर्चा में क्यों है?

- यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ने अगस्त में लेनदेन की मात्रा 10 अरब को पार कर लिया, जो भुगतान सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- UPI का न केवल घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है, बल्कि यह भारत की विदेश नीति आउटरीच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी बन गया है।

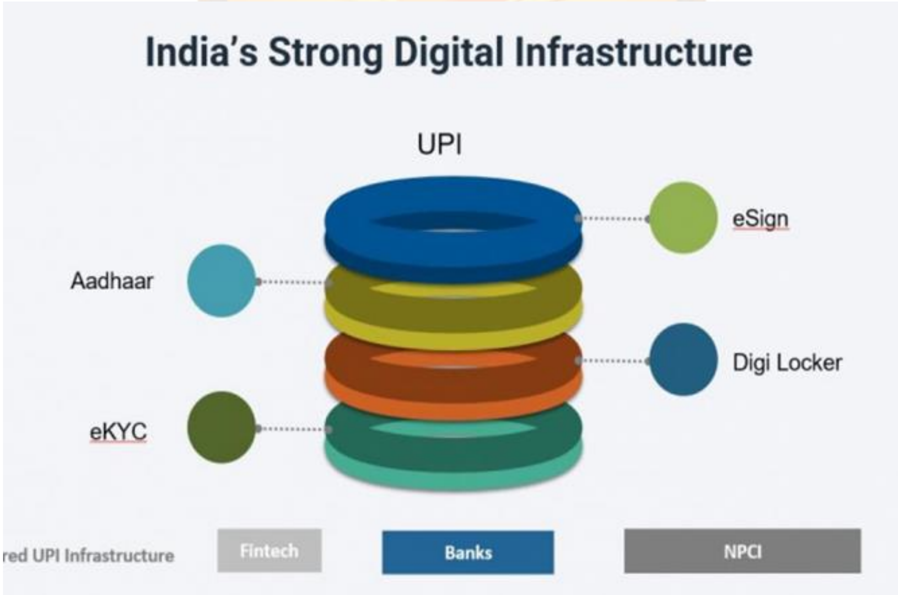

DPI के महत्वपूर्ण घटक के रूप में यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI):

- G20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान, **UPI ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में देश के प्रयासों में योगदान दिया है** और भारत के **डिजिटल पब्लिक**

इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) को बढ़ावा देने वाली अंतर्निहित प्रौद्योगिकियों, जिसे **भारत 'इंडिया स्टैक' के रूप में ब्रांड** करता है, को अपनाने के लिए अन्य देशों की रुचि का भी पता लगाया है।

- उद्योग विश्लेषक **इसे खुद को डिजिटल प्रशासन में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने की भारत की कोशिश के रूप में देखते हैं**, खासकर जब वह वैश्विक दक्षिण में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की आकांक्षा रखता है।
- सरकारी हलकों में **इसे प्रतिद्वंद्वी चीन**, जो अन्य विकासशील देशों में भौतिक बुनियादी ढांचे के विकास को वित्त पोषित कर रहा है, **से भिन्न डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के रूप में देखा जा रहा है।**

भारत DPI की तैनाती में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है?

- **भारत का डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विजन:** भारत का लक्ष्य 'डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI)' की तैनाती में नेतृत्व करना है और ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोजिटरी (GDPIR) स्थापित करने का इरादा रखता है।
- **ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोजिटरी (GDPIR):** एक आभासी भंडार के रूप में काम करेगा जहां G20 सदस्य और अन्य लोग उपकरण और संसाधनों

+918171181080
+919068806410
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

सहित DPI के विकास और तैनाती में स्वेच्छा से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं।

- **भारत का मॉडल:** भारत के दृष्टिकोण में सरकार-नियंत्रित अंतर्निहित प्रौद्योगिकी बनाना और निजी संस्थाओं को सेवाओं और उत्पाद विकास के लिए इसका उपयोग करने की अनुमति देना शामिल है। इस मॉडल का उदाहरण UPI और आधार (AADHAR) है, जो इंडिया स्टैक के अभिन्न अंग हैं।

इंडिया स्टैक क्या है?

- इंडिया स्टैक **'डिजिटल कोड' और 'डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं' के एक सेट का उपनाम है,** जिसका **उद्देश्य जनसंख्या के पैमाने पर पहचान, डेटा और भुगतान की आर्थिक प्राथमिकताओं को अनलॉक करना** है। इंडिया स्टैक की **संरचना में तीन महत्वपूर्ण परतें शामिल** हैं:
- **पहचान:** **भारत के राष्ट्रीय पहचान कार्यक्रम 'आधार' पर आधारित एक डिजिटल पहचान प्रणाली प्रदान करना।** इसका उपयोग दो-कारक या बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के माध्यम से दूरस्थ रूप से प्रमाणित करने के लिए किया जा सकता है।
- **भुगतान:** **डिजिटल भुगतान समाधान की सुविधा प्रदान करना। UPI दूसरी परत बनाता है।** यह तकनीक, **जो नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के**

संरक्षण में है, को फोनपे, गूगल पे और पेटीएम जैसी कई तृतीय-पक्ष निजी संस्थाओं को लाइसेंस दिया गया है।

- **डेटा प्रबंधन: तीसरी और अंतिम परत डेटा प्रशासन के लिए एक नया मॉडल बनाने पर केंद्रित है**। यह डेटा एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन आर्किटेक्चर (DEPA) नामक नीति के अनुसार संचालित होता है।
- **उदाहरण: UPI के अलावा**, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई डिजिटल समाधान पेश किए हैं, जिनमें **CoWin, DigiLocker, आरोग्य सेतु और सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) आदि** शामिल हैं। ये सभी **'भारतीय स्टैक' की तीन मूलभूत परतों का उपयोग करते हैं।**

भारत की विदेश नीति का हिस्सा:

- जून 2023 से, **भारत ने इंडिया स्टैक साझा करने के लिए आर्मेनिया, सिएरा लियोन, सूरीनाम, एंटीगुआ और बारबुडा और पापुआ न्यू गिनी** जैसे देशों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, **मॉरीशस, सऊदी अरब** जैसे देशों ने मॉडल को अपनाने में अपनी रुचि दिखाई है।
- इसी तरह, **UPI को फ्रांस, UAE, सिंगापुर और श्रीलंका जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी ले जाया गया है,** जापान जैसे देशों ने भुगतान प्रणाली को अपनाने में रुचि दिखाई है।

- DPI, G20 की अध्यक्षता के दौरान भारत के बारे में सरकार की समग्र कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) क्या है?

- डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) किसी सरकार या सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा आवश्यक सेवाएं प्रदान करने और किसी समाज या राष्ट्र के भीतर विभिन्न डिजिटल लेनदेन और इंटरैक्शन को सक्षम करने के लिए बनाए गए डिजिटल टूल, प्रौद्योगिकियों और संसाधनों के एक सेट को संदर्भित करता है।
- DPI में आम तौर पर डिजिटल पहचान प्रणाली, ऑनलाइन भुगतान प्लेटफॉर्म, डेटा प्रबंधन समाधान और अन्य डिजिटल सेवाएं जैसे घटक शामिल होते हैं जिनका उद्देश्य शासन को बढ़ाना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना है।
- इसे किसी देश के लिए मूलभूत डिजिटल बुनियादी ढांचे के रूप में काम करने, सार्वजनिक सेवाओं की कुशल डिलीवरी को सक्षम करने और डिजिटल नवाचार और समावेशन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- DPI की तुलना सड़कों से की जा सकती है, जो एक भौतिक नेटवर्क बनाती है जो लोगों को जोड़ती है और वस्तुओं और सेवाओं की एक विशाल श्रृंखला तक पहुंच प्रदान करती है।

DPI क्यों महत्वपूर्ण है?

- **असमानता में कमी:** यह बैंकिंग, ऋण और भुगतान तक व्यापक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है, विशेष रूप से महिलाओं जैसे वंचित समूहों को लाभ पहुंचाता है।
- **स्वास्थ्य और कल्याण:** यह कानूनी पहचान को मेडिकल रिकॉर्ड से जोड़कर स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ाता है, जिससे आजीवन स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होता है।
- **सतत आर्थिक विकास:** यह किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को महत्वपूर्ण डेटा, प्रारंभिक चेतावनियाँ और डिजिटल भुगतान, फसल की पैदावार, आय और खाद्य सुरक्षा में वृद्धि प्रदान करके सतत विकास का समर्थन करता है।